C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है। अभ्यास द्वारा असंभव जान पड़ने वाले कार्य भी संभव हो जाते है। किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। एक विद्वान अथक अभ्यास परिश्रम से विद्वान बनता है। उसके पास कोई संजीवनी नहीं है कि वह बिना पढ़े लिखे ही विद्वान घोषित कर दिया जाता है। इसके पीछे उसका परिश्रम और अभ्यास ही है। अभ्यास के बल पर ही एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के समर्थ वैयाकरण सिद्ध हुए। बोपदेव की कहानी प्रसिद्ध है। गुरु के आश्रम से वह निराश होकर जा रहे थे कि विद्या उसके भाग्य में नहीं है। मार्ग में उसने एक कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे। बस, उन्हें यह समझ में आ गया कि बार-बार घिसने से अगर पत्थर पर निशान हो सकते हैं तो, बार-बार अभ्यास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अतः इसलिए कहा गया है कि...

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥

1. किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र क्या है?
2. अवतरण में किसकी कहानी को प्रसिद्ध बताया गया है?
3. एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के क्या सिद्ध हुए?
4. मार्ग में बोपदेव ने क्या देखा।
5. करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
   रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥
   उपर्युक्त दोहा किसके द्वारा रचित है?

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों उत्तर लिखिए : 2x3=6

अरुण, यह मधुमय देश हमारा!
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को, मिलता एक सहारा
सरल तामरस गर्भ विभा पर- नाच रही तरुशिखा मनोहर,
छिटका जीवन-हरियाली पर- मंगल-कुंकुम सारा।
अरुण, यह मधुमय देश हमारा!

1. हरियाली पर जीवन कब और किस प्रकार छिटकता है?
2. हरियाली पर जीवन कब और किस प्रकार छिटकता है?
3. 'अनजान क्षितिज' का क्या अर्थ है? इसके द्वारा भारत की किस विविधता की और कवि ने संकेत किया है?

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

अर्जुन, शीतलता

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

चाद, दूगा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :
फतवा, फर्श

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :
अश, आतक

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3
प्रचलित, तटस्थता

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :
प्रवास, संदर्भ

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए :
अनुवाद, उत्पात

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। 3

क) अध्यापक कक्षा में आए

ख) सदैव आगे बढ़ते रहो रुकना मृत्यु का नाम है।

ग) महात्मा गांधी को बापू कहते है।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4
रमेश, अंत:करण, संहार, स्वागत

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1) अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?

2) आज धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा है?

3) कीचड़ से क्या होता है?

प्र. 7. (ब) महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था? 5

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?
2. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?
3. कवि ने 'अग्नि पथ' किसके प्रतीक स्वरुप प्रयोग किया है?

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

प्र. 9. 'मेरी रीढ़ में एक झुरझुरी-सी दौड़ गई'- लेखक के इस कथन के पीछे कौन-सी घटना जुड़ी है? 5

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

- प्लास्टिक की थैलियाँ - एक अभिशाप
- प्रकृति
- इंटरनेट की दुनिया

प्र. 11. आपके विदयालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और उनके लिए क्या-क्या किया। 5

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

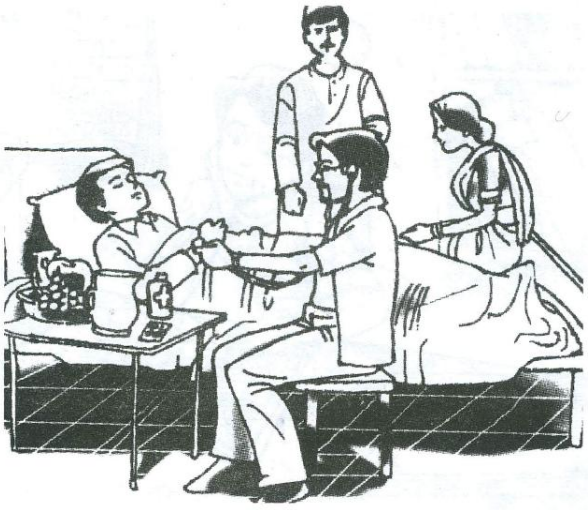

प्र. 13. चॉक और ब्लैक बोर्ड के मध्य संवाद लिखिए :

प्र. 14. कपड़े धोने वाले पावडर का विज्ञापन तैयार कीजिए : 5

C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है। अभ्यास द्वारा असंभव जान पड़ने वाले कार्य भी संभव हो जाते है। किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। एक विद्वान अथक अभ्यास परिश्रम से विद्वान बनता है। उसके पास कोई संजीवनी नहीं है कि वह बिना पढ़े लिखे ही विद्वान घोषित कर दिया जाता है। इसके पीछे उसका परिश्रम और अभ्यास ही है। अभ्यास के बल पर ही एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के समर्थ वैयाकरण सिद्ध हुए। बोपदेव की कहानी प्रसिद्ध है। गुरु के आश्रम से वह निराश होकर जा रहे थे कि विद्या उसके भाग्य में नहीं है। मार्ग में उसने एक कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे। बस, उन्हें यह समझ में आ गया कि बार-बार घिसने से अगर पत्थर पर निशान हो सकते हैं तो, बार-बार अभ्यास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अतः इसलिए कहा गया है कि...

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥

1. किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र क्या है?
   उत्तर : किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है।

2. अवतरण में किसकी कहानी को प्रसिद्ध बताया गया है?
   उत्तर : अवतरण में बोपदेव कहानी को प्रसिद्ध बताया गया है।

3. एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के क्या सिद्ध हुए?
   उत्तर : एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के वैयाकरण सिद्ध हुए।

4. मार्ग में बोपदेव ने क्या देखा।
   उत्तर : मार्ग में बोपदेव ने कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे।

5. करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
   रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥
   उपर्युक्त दोहा किसके द्वारा रचित है?
   उत्तर : उपर्युक्त दोहा कबीर द्वारा रचित है।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों उत्तर लिखिए : 2x3=6

अरुण, यह मधुमय देश हमारा!
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को, मिलता एक सहारा
सरल तामरस गर्भ विभा पर- नाच रही तरुशिखा मनोहर,
छिटका जीवन-हरियाली पर- मंगल-कुंकुम सारा।
अरुण, यह मधुमय देश हमारा!

1. हरियाली पर जीवन कब और किस प्रकार छिटकता है?

उत्तर : हरी-भरी धरती पर जब प्रातः की सूर्य किरणें पड़ती हैं, तो ऐसा लगता है मानो धरती पर किसी-ने कुंकुम छिड़क दिया हो। उस समय हरियाली पर जीवन छिटकता है।

2. हरियाली पर जीवन कब और किस प्रकार छिटकता है?

उत्तर : हरी-भरी धरती पर जब प्रातः की सूर्य किरणें पड़ती हैं, तो ऐसा लगता है मानो धरती पर किसी-ने कुंकुम छिड़क दिया हो। उस समय हरियाली पर जीवन छिटकता है।

3. 'अनजान क्षितिज' का क्या अर्थ है? इसके द्वारा भारत की किस विविधता की और कवि ने संकेत किया है?

उत्तर : धरती और आकाश के मिलने के काल्पनिक स्थान को क्षितिज कहा जाता है।

'अनजान क्षितिज' से कवि का तात्पर्य भारत की अपनेपन की भावना से है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ अनजान और अपरिचित लोगों का भी खुले दिल से स्वागत किया जाता है। भारत सदियों से अतिथि देवो भव की परम्परा का पालन करता आ रहा है हमारे देश में समय-समय पर अनेक विदेशी शासक आए और उनके साथ अनेक संस्कृतियाँ भी आईं जो कालांतर में हमारी संस्कृति में रच-बस गई।

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

अर्जुन, शीतलता

उत्तर : अ+र्+ज्+उ+न्+अ, श्+ई+त्+अ+ल्+अ+त्+आ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

चाद, दूगा

उत्तर : चाँद, दूँगा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

फतवा, फर्श

उत्तर : फ़तवा, फ़र्श

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

अश, आतक

उत्तर : अंश, आतंक

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

प्रचलित, तटस्थता

उत्तर : इत, ता

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

प्रवास, संदर्भ

उत्तर : प्र, सम्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए :

अनुवाद, उत्पात

उत्तर : अनु+वाद, उत्+पात

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। 3

क) अध्यापक कक्षा में आए

उत्तर : अध्यापक कक्षा में आए।

ख) सदैव आगे बढ़ते रहो रुकना मृत्यु का नाम है।

उत्तर : सदैव आगे बढ़ते रहो; रुकना मृत्यु का नाम है।

ग) महात्मा गांधी को बापू कहते है।

उत्तर : महात्मा गांधी को 'बापू' कहते हैं।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

रमेश, अंत:करण, संहार, स्वागत

उत्तर : रमा+ईश, अंत:+करण, सम्+हार, सु+आगत

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1) अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?

उत्तर : अखाड़े की मिट्टी साधारण मिट्टी नहीं होती। इसके स्पर्श से वंचित होने से बढ़कर दूसरा कोई दुर्भाग्य नहीं है। यह बहुत पवित्र मिट्टी होती है। इसको देवता पर चढ़ाया जाता है। यह मिट्टी तेल और मट्ठे से सिझाई हुई होती है। पहलवान भी इसकी पूजा करते हैं। यह उनके शरीर को मजबूत करती है। संसार में उनके लिए इस मिट्टी से बढ़कर कोई सुख नहीं।

2) आज धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा है?

उत्तर : आज धर्म के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है, उन्हें ठगा जा रहा है और दंगे-फसाद किए जाते हैं और नाना प्रकार के उत्पात किए जाते हैं।

3) कीचड़ से क्या होता है?

उत्तर : कीचड़ से कपड़े गंदे होते हैं, शरीर पर भी मैल चढ़ता है। परंतु कीचड़ में कमल जैसा फूल भी होता है।

प्र. 7. (ब) महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था? 5

उत्तर : महादेव जी प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे। वे कर्तव्यनिष्ठ थे, विन्रम स्वभाव के थे। उनकी लेखन शैली का सभी लोहा मानते थे। वे कट्टर विरोधियों के साथ भी सत्यनिष्ठता और विवेक युक्त बात करते थे। महादेवी जी गांधी जी के सहयोगी थे। उनका अधिकतर समय गांधी जी के साथ देश भ्रमण तथा उनकी प्रतिदिन की गतिविधियों में बीतने लगा। वे समय-समय पर गांधी जी की गतिविधियों पर टीका-टिप्पणी करते रहते थे। देश में ही नहीं विदेश में भी लोकप्रिय थे। इन्हीं सब करणों से वे सबके लाडले थे।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?

उत्तर : बीमार बच्ची जो कि तेज ज्वर से ग्रसित थी। उसने अपने पिता के सामने देवी के चरणों का फूल-रूपी प्रसाद पाने की इच्छा प्रकट की। इस इच्छा का कारण संभवत यह था कि उसे लगा कि देवी का प्रसाद पाकर वह ठीक हो जाएगी।

2. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?

उत्तर : प्रेम आपसी लगाव, निष्ठा, समपर्ण और विश्वास का नाम है। यदि एक बार भी किसी कारणवश इसमें दरार आती है तो प्रेम फिर पहले जैसा नहीं रह पाता है। जिस प्रकार धागा टूटने पर जब उसे जोड़ा जाए तो एक गाँठ पड़ ही जाती है। अत: प्रेम संबंध बड़ी ही कठिनाई से बनते हैं इसलिए इन्हें जतन से सँभालकर रखना चाहिए।

3. कवि ने 'अग्नि पथ' किसके प्रतीक स्वरुप प्रयोग किया है?

उत्तर : कवि ने 'अग्नि पथ' को संघर्षमय जीवन के प्रतीक स्वरुप प्रयोग किया है। कवि का मानना है कि मनुष्य का जीवन संघर्षों तथा कठिनाईयों से भरा है। उसे कदम-कदम पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : इस दुनिया में हर एक आदमी की प्रवृत्ति अलग होती है। कुछ लोगों की प्रवृत्ति दूसरों की मदद, भाईचारे की भावना फैलाना, सर्वस्व अर्पित करना होता है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों की प्रवृत्ति हिंसात्मक, मुसीबतें बढ़ाने वाली, गलत राह की ओर ले जाने वाली आदि होती है। लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि इस संसार में विरोधाभास पाया जाता है जहाँ एक ओर मनुष्य दूसरों के दुखों का कारण बनता है वही पर दुःख निवारण भी करता है। अत: आदमी में कई तरह की प्रवृत्तियाँ पाई जाती है।

प्र. 9. 'मेरी रीढ़ में एक झुरझुरी-सी दौड़ गई'- लेखक के इस कथन के पीछे कौन-सी घटना जुड़ी है? 5

उत्तर : लेखक के इस कथन के पीछे यह घटना जुड़ी है कि लेखक त्रिपुरा में शूटिंग करने में व्यस्त था। उसे सी.आर.पी.एफ. के जवान सुरक्षा प्रदान कर रहे थे। इन सुरक्षा कर्मियों ने लेखक का ध्यान निचली पहाडियों पर इरादतन रखे दो पत्थरों की तरफ खींचा। 'दो दिन पहले सेना एक जवान यहीं विद्रोहियों द्वारा मारा गया था' यह सुनकर लेखक की रीढ़ में एक झुरझुरी-सी दौड़ गई।

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

प्लास्टिक की थैलियाँ - एक अभिशाप

आधुनिक काल में विज्ञान नें जहाँ मनुष्य को अनेक सुख-सुविधाएँ प्रदान की हैं, वहीं विज्ञान ने अनेक भयंकर समस्याओं को जन्म दिया है। प्लास्टिक की समस्या भी ऐसी ही समस्या है। आज से **20-25** वर्ष पूर्व इस प्रकार की कोई समस्या नहीं थी**,** लोग सामान लाने के लिए कपड़े के थैलों का प्रयोग करते थे और छोटे सामान के लिए कागज़ के लिफाफों का उपयोग होता था**,** किंतु आज सड़क**,** बाग-बगीचे हर जगह प्लास्टिक की थैलियाँ उड़ती दिखाई देती हैं। प्लास्टिक की ये थैलियाँ अनेक रोगों का कारण तो बनती ही हैं**,** पशुओं की मौत का कारण भी हैं। यदि इन्हें जलाया जाता है तो इनका दुर्गंध युक्त धुआँ श्वास संबंधी रोगों का कारण बनता है। आज इस प्रकोप से बचने का सबसे अच्छा उपाय है कि इनका उपयोग बंद कर दिया जाए। इस प्रकार समाज को सचेत कर प्लास्टिक के प्रकोप से बचाया जा सकता है।

प्रकृति

मनुष्य प्रकृति से सदा से जुड़ा हुआ है। प्रकृति परमात्मा की अनुपम कृति है। प्रकृति का पल-पल परिवर्तित रुप उल्लासमय है, हदयाकर्षक है। वह सर्वस्व लुटाकर भी हँसती रहती है। प्रकृति अपने हजार रूपों में हमारे सामने खुशियों का ख़जाना लाती है। प्रकृति हमें सिखाती है कि जीवन हरपल आनंद से सराबोर है। नदियों का कल कल करता संगीत, झूमते गाते पेङ, एवं छोटे छोटे जीव हमें सिखाते हैं कि जीवन को ऐसे जियो की जीवन का हर पल खुशियों की सौगात बन जाये। पर्वत कहता शीश उठाकर, तुम भी ऊँचे बन जाओ।

सागर कहता है लहराकर, मन में गहराई लाओ।

सोहनलाल द्विवेदी

प्रकृति की गोद में वो सुख है, जो हज़ारों की संपत्ति पाकर भी नहीं मिलता। इसके सानिध्य में रहकर मनुष्य जीने की प्रेरणा पाता है।

इंटरनेट की दुनिया

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंकों, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी। इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, बेंक में से पैसे निकाल लेना आदि। सभी को इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्र. 11. आपके विदयालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और उनके लिए क्या-क्या किया। 5

छात्रावास,
यशवंत स्कूल,
नई दिल्ली।
8 नवंबर, 20XX

पूजनीय माताजी,
सादर चरण स्पर्श।
आशा हैं कि आप सकुशल एवं स्वस्थ होंगे। मैं ठीक हूँ और परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूँ।

आज मेरे विदयालय में वार्षिकोत्सव मनाया गया जिसमें अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अंधेरी नगरी चौपट राजा नामक नाटक का मंचन भी किया गया। इस कार्यक्रम की तैयारी कई दिन पहले ही आरंभ हो गई थी। इस कार्यक्रम के लिए सभी विद्यार्थियों को कुछ न कुछ जिम्मेंदारी दी गई थी। मुझे मुख्य अतिथि की देखरेख की जिम्मेंदारी सौंपी गई थी। मुझे पूरे समय उनके साथ ही रहना था ताकि उन्हें जो भी चाहिए उसकी व्यवस्था में शीघ्र करवा दूँ।

आपके आर्शीवाद से मैंने अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छी तरह निभाई।

अतिथि, मेरे शिक्षक से मेरी बहुत प्रशंसा कर रहे थे।

पिताजी को मेरा प्रणाम एवं छोटी को मेरा प्यार दीजिएगा।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

गौरव।

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

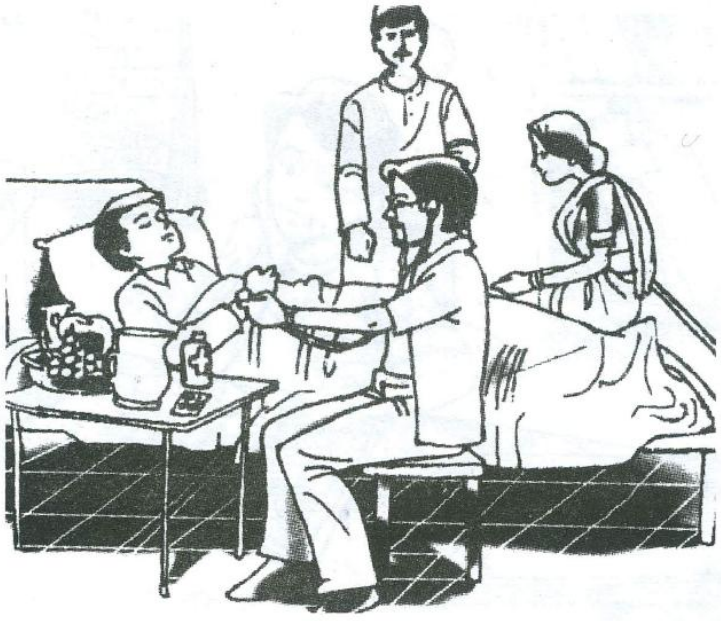

प्रस्तुत चित्र में हमें शय्या पर लेटा बीमार व्यक्ति दिखाई दे रहा है। रोगी के पास एक डॉक्टर, रोगी की पत्नी और उसका बेटा दिखाई दे रहा है। डॉक्टर इस समय अपने स्टेथोस्कोप से मरीज की जाँच कर रहा है। पास में मेज पर फल और दवाईयाँ रखी हैं जिससे ज्ञात होता है कि वह काफी दिनों से बीमार है।

प्र. 13. चॉक और ब्लैक बोर्ड के मध्य संवाद लिखिए :

उत्तर : चॉक - अरे ब्लैक बोर्ड, मैं तो लिखते-लिखते घिस जाता हूँ।

ब्लैक बोर्ड - हाँ, वैसे तो तुम सही कह रहे हो। परंतु लिखते-लिखते मेरी चमक भी तो फीकी पड़ जाती है।

चॉक - लेकिन, कुछ भी कहो ब्लैक बोर्ड जब हम दोनों के उपयोग से बच्चे जब कुछ नया सीखते हैं, तो बड़ा आनंद होता है।

ब्लैक बोर्ड - हाँ, यह तो तुमने सौ प्रतिशत सच कहा।

प्र. 14. कपड़े धोने वाले पावडर का विज्ञापन तैयार कीजिए : 5

उजाला

'बेदाग सफाई, सिर्फ़ दस रूपए में उजाला है लाई'

बेदाग सफाई पानी है,

कीमत भी बचानी है,

घर ले जाओ उजाला ही,

खुशियों की चाबी है ।